ग्राम विकास का मॉडल विकसित करेगा विवि

गोरखनाथ विश्वविद्यालय और आईईसीएसएमई के बीच करार हुआ। संवाद

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम ने ग्राम विकास का मॉडल विकसित करने, इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार कर संचालित करने और शोध को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इसे लेकर विश्वविद्यालय और इंडो यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज (आईईसीएसएमई), नई दिल्ली के बीच बुधवार को करार हुआ।

इस करार का लक्ष्य कृषि एवं कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का संवर्धन कर ग्रामीण यूपी के लिए एक लाख करोड़ रुपये की निवेश योजनाओं को क्रियान्वित करने का है।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और आईईसीएसएमई के महालक्ष्मी ठाकुर द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी तथा आईईसीएसएमई के अध्यक्ष विजय तिवारी ने एक-दूसरे को सौंपा। दोनों संस्थाएं ग्राम पंचायतों के संसाधनों का उपयोग गांवों में ही करते हुए उन्हें स्वायत्त बनाते हुए ग्राम विकास का मॉडल विकसित करेंगी।

ग्राम विकास का माडल विकसित करेगा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम ने ग्राम विकास का माडल विकसित करने, इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार करने और इस संबंध में शोध को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसे लेकर विश्वविद्यालय और इंडो यूरोपियन चैंबर आफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज (आईईसीएसएमई) नई दिल्ली के बीच बुधवार को करार हुआ।

इसका लक्ष्य कृषि एवं कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का संवर्धन कर ग्रामीण उत्तर प्रदेश के लिए एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजनाओं को क्रियान्वित करना है।

दोनों संस्थाओं ने उत्तर प्रदेश सरकार के पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से ग्राम पंचायतों को स्वायत्त बनाने के विविध पहलुओं को लेकर एमओयू का आदान-प्रदान किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और आईईसीएसएमई के महालक्ष्मी ठाकुर द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी तथा आईईसीएसएमई के अध्यक्ष विजय तिवारी ने एक-दूसरे को सौंपा। एमओयू के अनुसार दोनों संस्थाएं ग्राम पंचायतों के संसाधनों का उपयोग गांवों में ही करते हुए उन्हें स्वायत्त बनाते हुए ग्राम विकास का माडल विकसित करेंगी। इसके माध्यम से कृषि एवं कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का भी उन्नयन होगा। दोनों संस्थान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन कर्मयोगी और राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की संस्तुतियों के आलोक में कदम आगे बढ़ाएंगे।

एमओयू के दौरान महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी व आईईसीएसएमई अध्यक्ष विजय तिवारी, साथ में कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ● सौ. विवि

- इंडो यूरोपियन चैंबर आफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज के साथ हुआ करार
- ग्रामीण उत्तर प्रदेश के लिए एक लाख करोड़ रुपये की निवेश योजना के क्रियान्वयन का लक्ष्य

एमओयू में आयुर्वेद समेत आयुष की अन्य पद्धतियों तथा ध्यान, आसन, प्राणायाम आदि के जरिये ग्रामीण जनता को आरोग्यता प्रदान करने पर भी जोर दिया गया है।

माडल विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर विश्वविद्यालय: सिर्फ डिग्री उपलब्ध कराने वाली संस्था से अलग महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय समाज, राज्य व राष्ट्रहित में कई अभिनव पहल करते हुए माडल विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं और विश्वविद्यालय उनकी मंशा के अनुरूप विकास, रोजगार, आरोग्यता, समाज सेवा, शैक्षिक उन्नयन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता को लेकर लगातार कदम बढ़ा रहा है।

इस सिलसिले में अलग-अलग विषयों पर इस विश्वविद्यालय का आयुर्वेद क्षेत्र की विश्व प्रतिष्ठित कंपनी वैद्यनाथ आयुर्वेद, उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, गोरखपुर विश्वविद्यालय, महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय से भी पूर्व में करार हो चुका है।

इंडो यूरोपियन चैंब ऑफ स्माल एंड मीडियम के साथ हुआ करार

विवि विकसित करेगा ग्राम विकास का मॉडल

- 01 लाख करोड़ के निवेश योजना क्रियान्वित करने का लक्ष्य
- महायोगी गोरखनाथ विवि ने शोध को बढ़ावा देने के क्षेत्र में कदम

एमओयू का आदान प्रदान करते महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी व आईईसीएसएमई नई दिल्ली के अध्यक्ष विजय तिवारी साथ में विवि कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव। • हिन्दुस्तान

गोरखपुर,मुख्य संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम गोरखपुर ने ग्राम विकास का मॉडल विकसित करने, इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार कर संचालित करने और इस संबंध में शोध को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। बुधवार को विवि और इंडो यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज (आईईसीएसएमई) नई दिल्ली के बीच करार हुआ। इस करार का लक्ष्य कृषि एवं कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का संवर्धन कर ग्रामीण उत्तर प्रदेश के लिए 01 लाख करोड़ रुपये की निवेश योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा।

बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार के पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से ग्राम पंचायतों को स्वायत्त बनाने के विविध परिप्रेक्ष्यों को लेकर दोनों संस्थाओं ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और आईईसीएसएमई के महालक्ष्मी ठाकुर द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और आईईसीएसएमई के अध्यक्ष विजय तिवारी ने एक-दूसरे को सौंपा।

योग एवं आयुष से आरोग्यता पर जोर: एमओयू के अनुसार दोनों संस्थाएं ग्राम पंचायतों के संसाधनों का उपयोग गांवों में ही करते हुए उन्हें स्वायत्त बनाते हुए ग्राम विकास का मॉडल विकसित करेंगी। इसके माध्यम से कृषि एवं कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का भी उन्नयन होगा। एमओयू में आयुर्वेद समेत आयुष की अन्य पद्धतियों, ध्यान आसान, प्राणायाम आदि के जरिये ग्रामीण जनता को आरोग्यता प्रदान करने पर भी जोर है। महायोगी गोरखनाथ विवि समाज, राज्य व राष्ट्र हित में कई अभिनव पहल करते हुए मॉडल विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है।

ग्राम विकास का मॉडल विकसित करेगा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम ने ग्राम विकास का माडल विकसित करने, इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार कर संचालित करने और इस संबंध में शोध को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इसे लेकर विश्वविद्यालय और इंडो यूरोपियन चैंबर आफ स्माल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज (आईईसीएसएमई), नई दिल्ली के बीच बुधवार को करार हुआ। इस करार का लक्ष्य कृषि एवं कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का संवर्धन कर ग्रामीण उत्तर प्रदेश के लिए एक लाख करोड़ रुपये की निवेश योजनाओं को क्रियान्वित करने का है। दोनों संस्थाओं ने उत्तर प्रदेश सरकार के पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से ग्राम पंचायतों को स्वायत्त बनाने के विविध परिप्रेक्ष्यों को लेकर एमओयू का आदान-प्रदान किया।

इंडो यूरोपियन चैंबर आफ स्माल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज के साथ हुआ करार, ग्रामीण उत्तर प्रदेश के लिए एक लाख करोड़ रुपये की निवेश योजना क्रियान्वित करने का लक्ष्य

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और आईईसीएसएमई के महालक्ष्मी ठाकुर द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी तथा आईईसीएसएमई के अध्यक्ष विजय तिवारी ने एक-दूसरे को सौंपा। एमओयू के अनुसार दोनों संस्थाएं ग्राम पंचायतों के संसाधनों का उपयोग गांवों में ही करते हुए उन्हें स्वायत्त बनाते हुए ग्राम विकास का माडल विकसित करेंगी। इसके माध्यम से कृषि एवं कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का भी उन्नयन होगा। दोनों संस्थान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन कर्मयोगी और राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की संस्तुतियों के आलोक में कदम आगे बढ़ाएंगे। एमओयू में आयुर्वेद समेत आयुष की अन्य पद्धतियों तथा ध्यान आसान, प्राणायाम आदि के जरिये ग्रामीण जनता को आरोग्यता प्रदान करने पर भी जोर दिया गया है।

महायोगी गोरखनाथ विवि व इंडो यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज नई दिल्ली के बीच हुये करार के बाद उपस्थित कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेयी, आईईसीएसएमई अध्यक्ष विजय तिवारी साथ में कुलसचिव डा. प्रदीप राव व अन्य (फोटो : एसएनबी)

मॉडल विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय : सिर्फ डिग्री उपलब्ध कराने वाली संस्था से अलग महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय समाज, राज्य व राष्ट्र हित में कई अभिनव पहल करते हुए माडल विवि बनने की ओर अग्रसर है। सीएम एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ इस विवि के कुलाधिपति हैं और विश्वविद्यालय उनकी मंशा के अनुरूप विकास, रोजगार, आरोग्यता, समाज सेवा, शैक्षिक उन्नयन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता आदि को लेकर लगातार कदम बढ़ा रहा है।

इस सिलसिले में अलग-अलग विषयों पर इस विश्वविद्यालय का आयुर्वेद क्षेत्र की विश्व प्रतिष्ठित कम्पनी वैद्यनाथ आयुर्वेद, उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय आदि से भी पूर्व में करार हो चुका है।